



खंड 20 | अंक 1 | जनवरी-जून, 2016
Volume 20 | No. 1 | January-June, 2016

भाकृअनुप-डीओजीआर समाचार

ICAR-DOGR News

इस अंक में / In this issue

अनुसंधान उपलब्धियां

Research Highlights

- अनूठा मल्टिप्लायर प्याज जननद्रव्य संग्रह
Unique multiplier onion genetic stock
- तोर सहिष्णु प्याज वंशक्रम
Bolting tolerant onion line
- भीमा लाइट रेड - प्याज की नई किस्म
Bhima Light Red - A New Onion Variety
- प्याज बीज की फसल में कीट परागक
Insect pollinators in onion seed crop
- फसल उत्पादन की नई अनुशंसाएं
New Crop Production Recommendations
- किसान की सफलता की कहानी
A Farmer's Success Story

संस्थान की गतिविधियां / Institutional Activities

प्रशिक्षणों का आयोजन / Trainings organized

प्रदर्शनियों में सहभाग

Participation in Exhibitions

कार्मिक / Personnel

मानव संसाधन विकास

Human Resource Development

संकलन एवं संपादन

Compiled and Edited by

डॉ. शैलेन्द्र शं. गाडगे/Dr. Shailendra S. Gadge

डॉ. कल्याणी गोरेपति/Dr. Kalyani Gorrepati

श्री. कुलदीप /Mr. Kuldip

डॉ. जय गोपाल/Dr. Jai Gopal

प्रकाशक / Published by

डॉ. जय गोपाल, निदेशक/Dr. Jai Gopal, Director



हमारे नए महानिदेशक
Our New Director General

डॉ. त्रिलोचन महापात्र
Dr. Trilochan Mohapatra

डॉ. त्रिलोचन महापात्र द्वारा दिनांक 22 फरवरी 2016 से सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग और महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का प्रभार संभालना हमारे लिए सौभाग्य की बात है और हम उन्हें बधाई देते हैं। डॉ. महापात्र ने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में निदेशक एवं कुलपति और राष्ट्रीय धान अनुसंधान संस्थान (पूर्व में सीआरआरआई), कटक में निदेशक के तौर पर सेवा की। उन्होंने लगभग 20 वर्षों तक राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में शिक्षक तथा शोधकर्ता के रूप में भी सेवा की।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विख्यात वैज्ञानिक डॉ. महापात्र द्वारा ख्यातिप्राप्त राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 145 से अधिक शोध पत्र एवं कई पुस्तक अध्याय हैं। डॉ. महापात्र भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी एवं राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली के फेलो हैं। उन्होंने आईएनएसए युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, नास - टाटा युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, आईएआरआई बी.पी. पाल मेमोरियल अवार्ड जैसे कई सम्मान और पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

हमें यकीन है कि भाकृअनुप उनके कुशल नेतृत्व में नई उंचाइयों को प्राप्त करेगा। हम उनके लिए सभी क्षेत्रों में भव्य सफलता की कामना करते हैं।

It is our privilege to congratulate Dr. Trilochan Mohapatra on his assuming the charge of Secretary, Department of Agricultural Research and Education & Director General, ICAR on February 22, 2016. Previously, Dr. Mohapatra served as Director-cum-Vice Chancellor of Indian Agricultural Research Institute, New Delhi and Director of National Rice Research Institute (formerly CRRI), Cuttack. He also served at National Research Centre on Plant Biotechnology, IARI, New Delhi as teacher and researcher for about 20 years.

An internationally known scientist, Dr. Mohapatra has over 145 research papers in national and international journals of repute and several book chapters. Dr. Mohapatra is a fellow of the Indian National Science Academy, National Academy of Sciences and the National Academy of Agricultural Sciences, New Delhi. He has won a number of awards and honours including INSA Young Scientist Award, NAAS-Tata Young Scientist Award, IARI B.P. Pal Memorial Award and many more.

We are sure that the ICAR will stride to new heights under his able leadership and wish him a grand success on all fronts.

अनुसंधान उपलधियां

अनूठा मल्टिप्लायर प्याज जननद्रव्य संग्रह 'डीओजीआर-1523-एग'

मल्टिप्लायर प्याज (*एलियम सेपा* वेराइटी एग्रीगेटम) की दक्षिण भारत में मुख्य रूप से तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश और कर्नाटक राज्यों में खेती की जाती है। इसका उपयोग दक्षिण भारत के महत्वपूर्ण व्यंजन सांबर बनाने में किया जाता है क्योंकि इसमें एक अलग प्रकार का तीखापन होता है। इसमें निर्यात की बहुत क्षमता है। यह समुचित शल्क कन्दिका के गुच्छे उत्पन्न होने से बनता है। यह सामान्य रूप से कन्दिकाओं द्वारा उत्पादित किया जाता है। भाकृअनुप-डीओजीआर ने भारत के विभिन्न भागों से मल्टिप्लायर प्याज के जननद्रव्य संकलित किए हैं। इन जननद्रव्यों का प्रचलित किस्मों को-4 एवं को-5 के साथ मूल्यांकन किया गया। जननद्रव्य संग्रह डीओजीआर-1523-एग को कृन्तक चयन द्वारा इरूर, पेराम्बलूर, तमिलनाडु से

Research Highlights

Unique multiplier onion genetic stock 'DOGR-1523-Agg'

Multiplier onion (*Allium cepa* var. *aggregatum*) is grown extensively in South India mainly in Tamil Nadu, Andhra Pradesh and Karnataka. It is used in *Sambar* - an important dish of South India, because of its typical pungency. It also has great export potential. It produces several small size bulbs in the form of an aggregated cluster. It is normally propagated by bulblets. ICAR-DOGR had collected accessions of multiplier onion from different parts of India. These were evaluated in comparison to check CO-4 and CO-5. A genotype 1523-Agg developed through clonal selection from a sample collected from Irur, Perambalur, Tamil Nadu



गहरे लाल रंग का अगेती परिपक्वता वाला
मल्टिप्लायर प्याज जननद्रव्य संग्रह
'डीओजीआर-1523-एग'

Dark red early maturing multiplier onion
genetic stock 'DOGR-1523-Agg'

मल्टिप्लायर प्याज जननद्रव्य संग्रह डीओजीआर-1523-एग का निष्पादन

Performance of genetic stock DOGR-1523-Agg

प्रविष्टि/Entry	कुल उपज Total yield (क्विंटल/हे.) (q/ha)		परिपक्वता के दिन Days to maturity		पत्तियों का रंग Foliage Colour	पत्तियों की अभिवृत्ति Foliage Attitude	कन्दिका का रंग Bulblet Colour	कन्दिका का आकार Bulblet Shape
	खरीफ Kharif	रबी Rabi	खरीफ Kharif	रबी Rabi				
डीओजीआर- 1523-एग DOGR-1523-Agg	189.4	228.0	75	85	गहरा हरा Dark Green	अर्ध सीधी Semi Erect	गहरा लाल Dark Red	दीर्घवृत्तीय Elliptic
किस्म को-4 Cultivar CO-4	157.5	155.3	81	91	हल्का हरा Light Green	सीधी Erect	मध्यम लाल Medium Red	अंडाकार Ovate
किस्म को-5 Cultivar CO-5	145.5	179.2	83	94	मध्यम हरा Medium Green	सीधी Erect	हल्का लाल Light Red	अंडाकार Ovate
एलएसडी (पी=0.05) LSD (P=0.05)	13.8	23.4	3.3	4.5	—	—	—	—

संकलित जननद्रव्यों से विकसित किया गया। यह गहरा लाल रंग के अगेती परिपक्वता वाला एक अनुत्ता मल्टिप्लायर प्याज है जो खरीफ एवं रबी दोनों मौसम के लिए उपयुक्त है। यह रोपाई के 85 दिनों बाद रबी में और 75 दिनों बाद खरीफ में परिपक्व हो जाता है जो प्रचलित किस्म को-5 से एक सप्ताह जल्द है। इसमें प्रति कंद पाच एक समान अंडाकार कंदिकाएं होती हैं। दो वर्षों के आंकड़ों के आधार पर, इस प्याज में कुल घुलनशील ठोस पदार्थ 14% पाया गया तथा औसत उपज 18.9 टन / हे. खरीफ में और 22.8 टन / हे. रबी में पाई गई।

तोर सहिष्णु प्याज वंशक्रम 'डीओजीआर-1168'

जब प्याज को मुख्य फसल के रूप में उगाते हैं तो कभी-कभी विशेष रूप से पछेती खरीफ फसल में कुछ बीज-डंठल प्याज के पौधों पर आ जाते हैं जिसे तोर आना कहते हैं। मुख्य फसल में तोर आना एक अवांछनीय गुण है क्योंकि इससे कंद का विकास रुक जाता है। कंद रेशेदार एवं वजन में हल्के हो जाते हैं और खाने युक्त नहीं रहते। इस प्रकार के कन्दों का भीतरी हिस्सा कड़ा हो जाता है जिससे रोग आने से कंद सड़ने का खतरा बढ़ जाता है तथा कंद भण्डारण हेतु उपयुक्त नहीं होते। भाकृअनुप-डीओजीआर ने निदेशालय में उपलब्ध जननद्रव्यों में से चयनित कर तोर सहिष्णु प्याज वंशक्रम 'डीओजीआर-1168' विकसित किया। दो वर्षों के आंकड़ों के आधार पर, इस जननद्रव्य की विक्री योग्य उपज 38.84 टन / हे. जबकि तोर की संख्या 5% से कम पाई गई। यह एक अनुत्ती तोर सहिष्णु प्रजाति है जो पछेती खरीफ एवं रबी मौसम के लिए उपयुक्त है। यह प्रजाति रोपाई के 125-130 दिनों बाद परिपक्व हो जाती है तथा इसमें आकर्षक मध्यम लाल रंग के गोल आकार के कंद बनते हैं।



has value as a genetic stock. It is an unique dark red early multiplier onion suitable both for *kharif* and *rabi* seasons. It matures in 85 days after planting during *rabi* and 75 days after planting during *kharif*, i.e. more than one week earlier than popular variety CO-5. It has five uniform elliptic bulblets per bulb. On the basis of two years data, total soluble solids were 14° brix and average yield was 18.9 t/ha during *kharif* and 22.8 t/ha during *rabi*.

अमरजीत गुप्ता, विजय महाजन एवं जय गोपाल
Amar Jeet Gupta, Vijay Mahajan and Jai Gopal

Bolting tolerant onion line 'DOGR-1168'

When onion is grown as bulb crop, sometimes some seed stalks are produced before formation of normal bulbs particularly in late *kharif* crop. It is known as 'bolting'. Bolting is not desirable because it stops the development of bulbs. The bulbs become fibrous and light in weight and are unfit for consumption. Such bulbs do not have good keeping quality because these have hard core and are prone to rotting. ICAR-DOGR has developed a bolting tolerant onion line 'DOGR-1168' by screening the germplasm available at the institute. On the basis of two years data, its marketable yield was 38.84 t/ha and bolting was less than 5%. It is an unique bolting tolerant onion variety suitable both for late *kharif* and *rabi* seasons. It matures in 125-130 days after transplanting and has attractive medium red globe bulbs.



तोर सहिष्णु प्याज वंशक्रम 'डीओजीआर-1168'
Bolting tolerant onion line 'DOGR-1168'

अमरजीत गुप्ता, विजय महाजन एवं जय गोपाल
Amar Jeet Gupta, Vijay Mahajan and Jai Gopal

भीमा लाइट रेड - प्याज की नई किस्म

भाकृअनुप-डीओजीआर द्वारा विकसित प्याज की किस्म 'डीओजीआर-571-एलआर' को कानपुर (उ.प्र.) में 4-5 अप्रैल 2016 को संपन्न हुई अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन अनुसंधान नेटवर्क परियोजना की वार्षिक बैठक में संस्तुत किया गया। इस किस्म का नाम 'भीमा लाइट रेड' रखा गया है। यह किस्म कर्नाटक और तामिलनाडु में रबी मौसम के लिए संस्तुत की गई है। इस किस्म की परिपक्वता मध्यम (रोपाई के 115 दिन बाद) है तथा इसके

Bhima Light Red - A New Onion Variety

Onion variety 'DOGR-571-LR' developed by ICAR-DOGR has been recommended for release in Annual Group Meeting of All India Network Research Project on Onion and Garlic held at Kanpur, Uttar Pradesh on 4-5 April, 2016. It has been christened as 'Bhima Light Red'. It is recommended for cultivation in *rabi* season in Karnataka and Tamil Nadu. It is

कंद हल्के लाल रंग के तथा आकार गोल एवं कंद का वजन लगभग 70 ग्राम होता है। यह किस्म पतली ग्रीवा की होती है और इसमें कुल घुलनशील ठोस पदार्थ की मात्रा 13% है। सिफारिश किए गए क्षेत्र में बहुस्थानीय परिक्षणों में इसकी औसत कुल उपज 385 क्विंटल/हे. थी। भंडारण के चार महीनों तक इसमें कुल वजन नुकसान 25% से कम होता है। यह किस्म जोड़ एवं तोर वाले कंदों से लगभग मुक्त है।

a medium maturing (115 days after transplanting) variety having light red globe bulbs of about 70 g with thin neck and total soluble solids of 13%. Its average yield in multi location trials in the recommended zone was 385 q/ha. Total weight loss after four months of storage was less than 25%. It is almost free of doubles and bolters.



भीमा लाइट रेड / Bhima Light Red

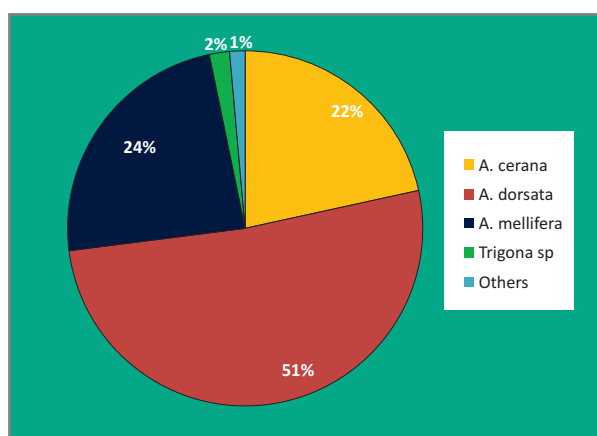
अमरजीत गुप्ता, विजय महाजन एवं जय गोपाल
Amar Jeet Gupta, Vijay Mahajan and Jai Gopal

प्याज बीज की फसल में कीट परागक

प्याज बीज की फसल में कीट परागक की विविधता और बहुतायत का रबी 2015-16 के दौरान अध्ययन किया गया। ग्यारह कीट प्रजातियां अर्थात् छोटी मधुमक्खी एपिस फ्लोरिया फैब, भारतीय मधुमक्खी एपिस सेरेना फैब, चट्टानी मधुमक्खी एपिस डोरसेटा फैब, पश्चिमी मधुमक्खी एपिस मेलिफेरा, दंशहीन मधुमक्खी ट्रिगोना स्पे., बड़ई मधुमक्खी झायलोकोपा स्पे., पीले पट्टेवाली ततैया वेस्पा ओरिएंटेलीस एल., सल्फर तितली पियरीस रापै एल., डैनिश तितली डैनिश क्रीसिप्पस एल., सिरफिड-सिरफिड स्पे., एवं मक्खी मस्का डोमेस्टिका एल. दर्ज की गईं। ये परागक प्रजातियां विभिन्न कीट प्रकार, जिनमें से आठ परागक प्रजातियां

Insect pollinators in onion seed crop

Abundance and diversity of insect pollinators in onion seed crop was studied during Rabi 2015-16. Eleven insect species namely, Little bee *Apis florea* Fab, Indian bee *Apis cerana* Fab, Rock bee *Apis dorsata* Fab, Western bee *Apis mellifera*, Stingless bee *Trigona* sp., Carpenter bee *Xylocopa* sp., Yellow banded wasp *Vespa orientalis* L., Sulphur butterfly *Pieris rapae* L., Danaids butterfly *Danais chrysippus* L., Syrphid, *Syrphid* sp. and House fly *Musca domestica* L. were recorded. These pollinator species belonged to different insect orders, of which eight pollinator species are



विभिन्न कीट परागकों की बहुतायत
Abundance of different insect pollinators



प्याज के पुष्पछत्र पर एपिस डोरसेटा
Onion umbel foraged by *Apis dorsata*

हाईमेनोप्टेरा, जबकि दो लेपीडोप्टेरा और एक डिप्टेरा की हैं। इनमें से, मधुमक्खी प्रजातियां अर्थात् एपिस डोरसेटा (51%), ए. मेलिफेरा (24%), ए. सेरेना (22%), एवं ट्रिगोना स्पे. (2%), सबसे प्रमुख परागक थे। सभी मधुमक्खी प्रजातियों की यात्राओं की आवृत्ति बहुत सवेरे के समय कम तथा अधिकतम दोपहर के समय 12.30 से 1.30 के दौरान पाई गई। विविधता सूचकांक (शैनन-वेनर) बहुतायत (बर्जर-पार्कर) विश्लेषण से पता चला है कि, परागक प्रजातियों की विविधता सूचकांक मूल्य 1.595 पर प्याज पारिस्थितिकी में स्थिर होती है तथा चट्टानी मधुमक्खी सूचकांक मूल्य 0.333 के साथ प्रबल परागक पाया गया।

of Hymenoptera, whilst two of Lepidoptera and one of Diptera. Among these, bee species viz., *Apis dorsata* (51%), *A. mellifera* (24%), *A. cerana* (22%) and *Trigona* sp. (2%) were most predominant pollinators. The frequency of visits of all bee species was found to be low during early morning and maximum during noon 12.30 PM to 1.30 PM. The index for diversity (Shannon-Weiner) and abundance (Berger-Parker) analysis revealed that diversity of pollinator species is stable in onion ecosystem with the diversity index value of 1.595 and rock bee, *A. dorsata* was the dominant pollinator with the index value of 0.333.

वी. करुपैया, प्रियंका डी. वाघ एवं पी. एस. सौम्या
V. Karupaiyah, Priyanka D. Wagh and P. S. Soumia

फसल उत्पादन की नई अनुशंसाएं

अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन अनुसंधान नेटवर्क परियोजना की सातवीं समूह बैठक में प्याज की फसल उत्पादन के लिए निम्नलिखित सिफारिशें की गईं।

- जहां पर ज़िंक की कमी है ऐसे क्षेत्रों (नासिक, चिप्लिमा और जबलपुर) में आधारिय रूप में 10 कि.ग्रा. / हे. की दर से $ZnSO_4$ देने की सिफारिश की गई। जिन क्षेत्रों में बोरॉन की कमी है (धारवाड़ और श्रीनगर), वहां पर 10 कि.ग्रा. / हे. की दर से बोरेक्स देने की सिफारिश की गई। जहां पर बहु-सूक्ष्म पोषण तत्वों की कमी है (जुनागढ़, पुणे, समस्तीपुर, दुर्गापुरा, हिसार और कानपुर), वहां पर प्याज की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सड़ी हुई गोबर की खाद 15 टन / हे के साथ सूक्ष्म पोषण तत्वों का मिश्रण (फेरस : 2.5%, ज़िंक : 0.3 %, मैंगनीज : 1%, तांबा:1.0%, बोरॉन : 0.2%) का पर्णय छिड़काव रोपाई के 45 एवं 60 दिनों के पश्चात करने की सिफारिश की गई।
- दुर्गापुरा, हिसार, समस्तीपुर, चिप्लिमा, जबलपुर, जुनागढ़, कोयंबटूर, कानपुर, कल्याणी और श्रीनगर में प्याज की उत्पादकता बढ़ाने के लिए पौधशाला में बुवाई के 30 दिनों के पश्चात एवं मुख्य क्षेत्र में रोपाई के 30, 45 या 60 दिनों के पश्चात एवं सैलिसिलीक अम्ल का 250 मि.ग्रा./लीटर के दर से पर्णय छिड़काव करने की सिफारिश की गई।

New Crop Production Recommendations

In VIIth Group meeting of All India Network Research Project on Onion and Garlic, the following recommendations for onion crop production were made.

- $ZnSO_4$ @ 10 kg/ha as basal is recommended in areas having Zn deficiency (Nashik, Chiplima and Jabalpur). Borax @ 10 kg/ha is recommended for areas having boron deficiency (Dharwad and Shrinagar). FYM @ 15 t/ha is recommended in areas having multi-micronutrient deficiency (Junagadh, Pune, Samastipur, Durgapura, Hissar and Kanpur) along with foliar application of micronutrient mixture (Fe: 2.5%, Zn: 0.3%, Mn: 1%, Cu: 1.0%, B: 0.2%) at 45 and 60 days after transplanting for increasing onion productivity.
- Foliar application of salicylic acid @ 250 mg/L at 30 days after sowing in nursery and in the main field either at 30, 45 or 60 days after transplanting is recommended for Durgapura, Hissar, Samastipur, Chiplima, Jabalpur, Junagadh, Coimbatore, Kanpur, Kalyani and Srinagar for increasing onion productivity.

ए. थंगासामी, वनिता सालुंखे, वी. महाजन एवं जय गोपाल
A. Thangasamy, Vanita Salunkhe, V. Mahajan and Jai Gopal

किसान की सफलता की कहानी

डीओजीआर की 'मेरा गांव मेरा गौरव' योजना के तहत गोसासी गांव, जिला पुणे के एक किसान श्री. रविन्द्र नामदेव गोरे ने बताया कि भाकृअनुप-डीओजीआर की प्रौद्योगिकियों को अपनाने के बाद उनके प्याज कंदों की उपज में जबरदस्त वृद्धि हुई है। उनके अनुसार इससे पूर्व वह पारंपारिक पद्धतियों का उपयोग करके प्याज की खेती करते थे। रोगों और कीड़ों के लक्षण दिखने के बाद ही फफूंदनाशकों और कीटनाशकों का छिड़काव करते थे। अब वह रोग एवं कीट आने से पहले ही सावधानियां बरतते हैं। पौधशाला

A Farmer's Success Story

Shri Ravindra Namdeo Gorde, a farmer of Gosasi village, District Pune under 'Mera Gaon Mera Gaurav' scheme of ICAR-DOGR narrated his success story. He told that he had got tremendous increase in onion bulb yield after applying ICAR-DOGR technologies. According to him, previously he was cultivating onion crop by using traditional practices. He was spraying pesticides and insecticides after seeing incidences of diseases and insects. Now he takes precautions before diseases and insects occur. He treats

में बुवाई से पहले वह प्याज के बीज को थिरम से उपचारित करते हैं। वह कार्बेन्डाज़िम एवं कार्बोसल्फान के घोल में पौध की जड़ों को दो घंटे डूबोकर रोपाई करते हैं। बाद में, वह डीओजीआर के सलाह के अनुसार समय-समय पर कीटनाशकों एवं फफूंदनाशकों का छिड़काव करते हैं। पिछले वर्ष 22 जुलाई 2015 को श्री. गोरडे ने भीमा शक्ति का बीज पौधशाला में बोया था। उन्होंने 25 दिसम्बर 2015 को प्याज की निकासी की और 5 जनवरी 2016 को प्याज बाजार में बेच दिए। श्री. गोरडे को पहले सिर्फ 60 बैग (1 बैग = 65 कि.ग्रा.) प्रति एकड़ प्याज कंद मिलते थे। लेकिन पिछले साल उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के बाद उन्हें एक एकड़ में अच्छी गुणवत्ता वाले 150 बैग कंद का उत्पादन हुआ। चूंकि उनके प्याज अच्छी गुणवत्ता के थे, उन्हें 21 रुपये प्रति कि.ग्रा. की बाजार दर प्राप्त हुई। इससे पहले, उन्हें केवल 10 रुपये प्रति कि.ग्रा. बाजार दर प्राप्त होती थी। इस तरह, श्री. गोरडे ने कहा कि, वह 'मेरा गांव मेरा गौरव' योजना से लाभान्वित हुए।

onion seed with thirum before sowing in nursery. He transplants onion seedlings after dipping roots in carbendazim and carbosulfan solution for two hours. Afterwards, he sprays insecticides and pesticides time to time as per DOGR advice. Last year on 22 July 2015, Shri Gorde had sown seed of Bhima Shakti in nursery. He transplanted seedlings on 5 September 2015. He harvested onion crop on 25 December 2015 and sold onion in market on 5 January 2016. Shri Gorde was previously getting only 60 bags (1 bag = 65 kg) /acre of onion bulbs. But last year after using advance technology of onion cultivation, he got 150 bags of onion bulbs in one acre. As his onion bulbs were of good quality, he received market rate of Rs. 21 per kg. Previously, he was getting only Rs. 10 per kg. Thus, Shri Gorde says that he has been benefitted by 'Mera Gaon Mera Gaurav' scheme.



शैलेन्द्र गाडगे एवं जय गोपाल
Shailendra Gadge and Jai Gopal

संस्थान की गतिविधियां

संस्थान प्रबंधन समिति की बैठक

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय की संस्थान प्रबंधन समिति (आईएमसी) की 19 वीं बैठक का आयोजन दिनांक 20 जनवरी, 2016 को भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे में किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता डॉ. जय गोपाल, निदेशक महोदय ने की और इसमें अन्य सदस्यों यथा डॉ. विक्रमादित्य पांडेय, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप एचएसडी, नई दिल्ली, डॉ. एम. एन. भालेकर, प्राध्यापक (वनस्पति विज्ञान), एमपीकेवी, राहुरी, डॉ. पी.एस. श्रीनिवास, प्रधान वैज्ञानिक (कीटविज्ञान), भाकृअनुप-आईआईओआर, हैद्राबाद; डॉ. ई. श्रीनिवास राव, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-आईआईओआर, बेंगलुरु; डॉ. आर. जी. सोमकुंवर, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-एनआरसीजी, पुणे; श्री. सूर्यकांत पलांडे, पूर्व विधायक, शिरूर; श्री. प्रताप वी. खांडेभराड,

Institutional Activities

IMC meeting

The 19th meeting of Institute Management Committee (IMC) of ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research was held on January 20, 2016 at ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune. Meeting was chaired by Dr. Jai Gopal, Director, and attended by other members Dr. Vikramaditya Pandey, Principal Scientist, ICAR-HSD, New Delhi, Dr. M. N. Bhalekar, Professor (Vegetable Science), MPKV, Rahuri, Dr. P. S. Srinivas, Principal Scientist (Entomology), ICAR-IIOR, Hyderabad, Dr. E. Srinivasa Rao, Principal Scientist, ICAR-IIHR, Bengaluru, Dr. R. G. Somkuwar, Principal Scientist, ICAR-NRCG, Pune, Shri. Suryakant Palande, Ex-MLA, Shirur, Shri. Pratap V. Khandebharad, Director, P. K. International

निदेशक, पी.के. अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान, चाकण; श्री अश्विनी गर्ग, वित्त व लेखा अधिकारी, भाकृअनुप, नई दिल्ली; श्री. विनयकुमार आवटे, संयुक्त निदेशक कृषि, कृषि विभाग, पुणे, श्रीमती विजया ए. भूमकर, कनिष्ठ वित्त व लेखा अधिकारी, श्री. डी. बी. मुंडारीकर, निदेशक महोदय के निजी सचिव और श्री. पी.एस. तंवर, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय ने भाग लिया। सदस्य सचिव ने संस्थान प्रबंधन समिति के सभी सदस्यों का स्वागत किया। निदेशक महोदय द्वारा निदेशालय की प्रगति रिपोर्ट के साथ कार्यों, बजट तथा चालू परियोजनाओं आदि के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। सभी सदस्यों ने निदेशालय द्वारा की गई प्रगति की सराहना की। किसानों के लाभ हेतु चलाई गई गतिविधियों पर भी विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। अध्यक्ष महोदय की टिप्पणी के उपरान्त सदस्य सचिव ने समिति की कार्यसूची मुद्दे प्रस्तुत किए। समिति ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के दिशानिर्देशों के अनुपालन में कार्यसूची मुद्दों पर चर्चा की तथा अपने मुख्यवान सुझाव दिए। समिति में सिफारिश की गई सभी कार्यसूची मुद्दों का अनुमोदन संस्थान प्रबंधन समिति द्वारा किया गया।

Foundation, Chakan, Shri. Ashwini Garg, FAO, ICAR, New Delhi, Shri. Vinaykumar Awate, representative of Joint Director Agriculture, Department of Agriculture, Pune, Shri. Sunil Kumar, SAO, Mrs. Vijaya A. Bhumkar, AFAO, Shri. D. B. Mundharikar, PS to Director and Shri. P. S. Tanwar, AAO of ICAR-DOGR. The Member Secretary welcomed all the members of IMC., The progress report of this Directorate as well as the detail of works, budget and ongoing projects etc. was presented by Director. All members appreciated the progress made by the Directorate. Activities conducted for the benefit of the farmers were also highlighted. Following the chairman's remarks, member secretary presented the agenda items of meeting. The committee discussed the agenda items in the light of ICAR guidelines and gave their valuable suggestions. All agenda items were recommended and approved by IMC.



संस्थान प्रबंधन समिति की बैठक
IMC Meeting

निदेशालय की 18वीं अनुसंधान परामर्श समिति (आरएसी) बैठक

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय की 18वीं अनुसंधान परामर्श समिति (आरएसी) बैठक का आयोजन डॉ. वाई.एस. नेरकर, पूर्व कुलपति, एमपीकेवी, राहुरी की अध्यक्षता में दिनांक 9-10 फरवरी, 2016 को राजगुरुनगर में किया गया। इस बैठक में टी. जानकीराम, सहायक महासंचालक (बागवानी विद्या), भाकृअनुप, नई दिल्ली, डॉ. सी.एस. पाठक, सलाहकार, शाकीय अनुसंधान, नाथ बायो-जीन्स (इंडिया) लि., औरंगाबाद; डॉ. आर.पी. गुप्ता, निदेशक, एनएचआरडीएफ, नासिक; डॉ. के.एस. रवि, लीडर- शाकीय अनुसंधान, महिको, बेंगलुरु; डॉ. हिमांशु पाठक, प्राध्यापक, पर्यावरण विज्ञान केन्द्र, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली; श्री सूर्यकान्त पलांडे, पूर्व विधायक, शिरूर, पुणे; डॉ. जय गोपाल, निदेशक, भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय तथा डॉ. वी. महाजन, सदस्य सचिव ने भाग लिया। डॉ. जय गोपाल ने अध्यक्ष तथा सदस्यों का स्वागत किया और उपलब्धियों को अधोरेखित किया। आरएसी अध्यक्ष तथा सदस्यों की प्रारंभिक टिप्पणी के पश्चात डॉ. वी. महाजन, सदस्य सचिव ने आरएसी के समक्ष प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय के सिंहावलोकन तथा इसके कार्यक्रमों की

18th Research Advisory Committee (RAC) Meeting of Directorate

The eighteenth Research Advisory Committee meeting of ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research was held during February 9-10, 2016 at Rajgurunagar under the chairmanship of Dr. Y.S. Nerkar, Former VC-MPKV, Rahuri. Other members who attended the meeting were Dr. T. Janakiram, ADG (HS), ICAR, New Delhi, Dr. C.S. Pathak, Advisor-Vegetable Research, Nath Bio-Genes (I) Ltd., Aurangabad, Dr. R.P. Gupta, Director, NHRDF, Nashik, Dr. K.S. Ravi, Lead-Vegetable Research Centre, Mahyco, Bangalore, Dr. Himanshu Pathak, Professor & Pr. Scientist, Centre for Environmental Science, IARI, New Delhi, Mr. Suryakant Palande, Ex-MLA, Shirur, Pune, Dr. Jai Gopal, Director, DOGR, Rajgurunagar, Pune and Dr. V. Mahajan, Member Secretary. Dr. Jai Gopal welcomed the Chairman and members of RAC and highlighted the achievements. After opening remarks by the Chairman and members RAC, Action Taken Report (ATR) on the 17th RAC recommendations was presented by Dr. V. Mahajan, Member Secretary and the same was

संक्षिप्त जानकारी दी। डॉ. वी. महाजन द्वारा कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की गई जिसका अनुमोदन किया गया। संबंधित वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं में की गई प्रगति का प्रस्तुतीकरण दिया गया। अनुसंधान परामर्श समिति ने की गई कार्रवाई रिपोर्ट, चलाई गई गतिविधियों एवं प्रगति पर अपनी संतुष्टि प्रकट की। विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं से संबंधित अनेक सिफारिशें की गईं। अनुसंधान परामर्श समिति ने अनुसंधान फार्म एवं प्रयोगशालाओं का भी दौरा किया। समिति सदस्यों ने अनुसंधान गतिविधियों, प्रयोगात्मक खेतों तथा संस्थान के रखरखाव के बेहतर प्रबंधन की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

approved by RAC. The progress made in various research projects was presented by the respective scientists. The RAC expressed satisfaction regarding action taken report, the activities and the progress made. Several recommendations pertaining to different research projects were made. The RAC visited research farm and the concerned scientists explained various ongoing experiments in the field. The RAC members expressed their satisfaction regarding the achievements and the on-going programmes of the Directorate.



आरएसी की बैठक
RAC Meeting

19 वीं संस्थान अनुसंधान परिषद की (आईआरसी) बैठक

उन्नीसवीं संस्थान अनुसंधान परिषद (आईआरसी) की बैठक डॉ. जय गोपाल, निदेशक की अध्यक्षता में भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर में दिनांक 22-23 फरवरी 2016 को आयोजित की गई। इस बैठक में निदेशालय के वैज्ञानिकों ने प्रगति प्रतिवेदन एवं परियोजनाओं की मुख्य उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। वर्तमान अनुसंधान कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण अंतराल के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई और तकनीकी कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया गया। नए शामिल हुए वैज्ञानिकों ने उनकी कार्य योजनाओं को प्रस्तुत किया जिन्हें उचित संशोधनों के साथ मंजूरी दी गई।

19th Institute Research Council (IRC) Meeting

The 19th Institute Research Council (IRC) meeting was held during February 22-23, 2016 at ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research, Rajgurunagar under the chairmanship of Dr. Jai Gopal, Director. Scientists of the Directorate presented the progress reports and salient achievements of the projects in the meetings. The critical gaps in the ongoing research programmes were discussed at length and the technical programmes were finalized, which were approved after appropriate modifications.



आईआरसी की बैठक
IRC Meeting

कानपुर में आयोजित प्याज एवं लहसुन (एआईएनआरपीओजी) की वार्षिक कार्यशाला

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय (डीओजीआर), राजगुरुनगर पुणे ने चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसएयूएटी), कानपुर के सहयोग से भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान (आईआईपीआर), कानपुर में दिनांक 4-5 अप्रैल 2016 के दौरान अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन अनुसंधान नेटवर्क परियोजना की सातवीं समूह बैठक का आयोजन किया। इस समूह बैठक में देश के विभिन्न भागों से आये 80 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। किसान, छात्र और अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ. एन.के. कृष्ण कुमार, उप महानिदेशक (बागवानी विज्ञान) ने की। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, अध्यक्ष, कृषि विद्यालय, सीएसएयूएटी, कानपुर और डॉ. एन. पी. सिंह, निदेशक, आईआईपीआर, कानपुर सम्माननीय अतिथि थे। स्वागत पर भाषण डॉ. एच. जी. प्रकाश, अनुसंधान निदेशक, सीएसएयूएटी, कानपुर द्वारा दिया गया। डॉ. जय गोपाल, निदेशक, भाकृअनुप डीओजीआर ने परियोजना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने एआईएनआरपीओजी की उपलब्धियों तथा भारत में प्याज एवं लहसुन के क्षेत्र एवं उत्पादन बढ़ाने की संभावनाओं को सविस्तार बताया। प्याज संकर के विकास, लहसुन में विषाणु मुक्त रोपण सामग्री और खरपतवार प्रबंधन अध्ययन पर जोर देने की बात की गई। डॉ. विजय महाजन, नोडल अधिकारी ने कार्यवाही प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। डॉ. बी. सिंह, निदेशक, आईआईपीआर, वाराणसी, डॉ. आर. पी. गुप्ता, निदेशक, एनएचआरडीएफ, नासिक, डॉ. दीप ज्योती राजखोवा, संयुक्त निदेशक, भाकृअनुप अनुसंधान परिसर, नागालैंड, डॉ. जे. आर. यादव और डॉ. जे. पी. श्रीवास्तव, पूर्व प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, सब्जी विज्ञान, सीएसएयूएटी, कानपुर ने विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता की और तकनीकी कार्यक्रम को परिष्कृत करने के लिए मूल्यवान सुझाव दिए। डॉ. टी. जानकीराम, सहायक महानिदेशक (बागवानी विज्ञान), भाकृअनुप, नई दिल्ली ने अंतिम सत्र की अध्यक्षता की जिसमें सिफारिशों को अंतिम रूप दिया गया। डॉ. एस.एल. गोस्वामी, कुलपति, सीएसएयूएटी, कानपुर इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे।

एक हल्के लाल रंग की प्याज की किस्म डीओजीआर-571, एक लंबे प्रकाश दिवस की लहसुन की किस्म सीआईटीएच-जी-3 और दो उत्पादन प्रौद्योगिकियां - एक सूक्ष्म पोषक तत्वों के उपयोग एवं अन्य सैलिसिलीक अम्ल पर कार्यशाला में संस्तुत की गई।



Annual Workshop of Onion & Garlic (AINRPOG) organized at Kanpur

ICAR-Directorate of Onion & Garlic Research (DOGR), Rajgurunagar, Pune organized the VIIth Annual Group meeting of All India Network Research Project on Onion and Garlic at Indian Institute of Pulse Research (IIPR), Kanpur in collaboration with Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology (CSAUAT), Kanpur during April 4-5, 2016. The group meeting was attended by more than 80 delegates from various parts of the country. Farmers, students and other faculty members were also present.

The inaugural session was chaired by Dr. N. K. Krishna Kumar, DDG (HS), New Delhi. Dr. Rajendra Prasad, Dean, College of Agriculture, CSAUAT, Kanpur and Dr. N. P. Singh, Director, IIPR, Kanpur were guests of honour. Welcome address was given by Dr. H. G. Prakash, Director Research, CSAUAT, Kanpur. Dr. Jai Gopal, Director, ICAR-DOGR, presented the project report wherein he elaborated the achievements of AINRPOG and possibilities of increasing area and production of onion and garlic in India. Emphasis was laid on development of onion hybrids, virus free planting material of garlic and weed management studies. Dr. Vijay Mahajan, Nodal Officer presented action taken report. Dr. B. Singh, Director, IIVR, Varanasi, Dr. R.P. Gupta, Director, NHRDF, Nashik, Dr. Dip Jyoti Rajkhowa, Joint Director, ICAR Research Complex, Nagaland, Dr. J.R. Yadav and Dr. J.P. Srivastava, Ex- Prof. & Head, Veg. Sci., CSAUAT, Kanpur chaired various sessions and gave valuable input for refining the technical programme. Recommendations were finalized in plenary session which was chaired by Dr. T. Janaki Ram, ADG (HS), ICAR, New Delhi. Dr. S. L. Goswami, Vice-Chancellor, CSAUAT, Kanpur was the Chief Guest on this occasion.

One light red onion variety DOGR-571, one long day garlic variety CITH-G-3 and two production technologies one on use of micronutrients and other on salicylic acid were recommended in the workshop.



स्वच्छ भारत अभियान

भाकृअनुप-डीओजीआर में स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छ भारत पखवाड़ा दिनांक 16-31 मई 2016 के दौरान मनाया गया। कार्यक्रम के पहले दिन भाकृअनुप-डीओजीआर के सभी कर्मचारियों ने स्वच्छ भारत शपथ ली। इस पखवाड़ा के दौरान कार्यालय, प्रयोगशाला, डीओजीआर का परिसर, आवास और अतिथि गृह की सफाई की गई। निदेशालय के नियमित साप्ताहिक सफाई की गतिविधियों के अलावा, डीओजीआर के कर्मचारियों ने निदेशालय द्वारा 'मेरा गांव मेरा गौरव' कार्यक्रम के तहत अपनाएं गांवों का दौरा किया और साफ-सफाई के महत्व पर जागरूकता का प्रसार किया। ग्रामीणों को शामिल करके सार्वजनिक स्थानों की सफाई भी की गई। स्वच्छ भारत पखवाड़ा के अंतिम दिन, डॉ. माणिक बिचकर को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। डॉ. बिचकर पेशे से चिकित्सक हैं। तथा 20 वर्षों से अधिक काल से सफाई और अन्य सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय हैं एवं राजगुरुनगर के लोगों में सफाई के संबंध में जागरूकता पैदा करने में जुटी हुई हैं। उन्होंने साफ-सफाई, स्वच्छता का महत्व, दैनिक जीवन में प्लास्टिक के उपयोग से कैसे बचें, अपशिष्ट निपटान तथा खाद के रूप में कुड़े का उपयोग पर व्याख्यान दिया। नियमित रूप से हर बुधवार शाम 4.00 बजे के पश्चात भाकृअनुप-डीओजीआर के कर्मचारियों द्वारा कार्यालय, आवासीय क्षेत्र और अन्य स्थानों की सफाई का सामुदायिक कार्य किया जाता है।

Swachh Bharat Abhiyan

Under the Swachh Bharat Abhiyan, Swachh Bharat Pakhwara was observed by ICAR-DOGR during May 16-31, 2016. On the first day of the programme, Swachh Bharat pledge was administered to all the staff of ICAR-DOGR. Office, labs, premises of DOGR, quarters and guest house were cleaned. Apart from the regular weekly cleaning activities of the institute, staff of DOGR also visited the villages adopted by the Directorate under *Mera Gaon Mera Gaurav* programme and imparted awareness on the importance of cleanliness. Cleaning of the public places by involving the villagers was also done. On the last day of Swachh Bharat Pakhwara, Dr. Manik Bichkar was the chief guest. Dr. Bichkar is physician by profession and also actively involved in cleaning and other social activities for more than 20 years to create awareness among the people of Rajgurunagar. She delivered a talk on the importance of cleanliness, hygiene, how to avoid the use of plastic in day to day life, waste disposal and use of waste as compost. As a regular practice, every Wednesday from 4.00 PM onward ICAR-DOGR staff undertakes community work for cleaning office, residential area and other places.

कर्मचारी स्वच्छ भारत
शपथ लेते हुए
Staff taking Swachh
Bharat pledge



कार्यालय के अंदर
सफाई
Lab cleaning



प्रयोगशाला की सफाई
Cleaning inside the
office



भाकृअनुप-डीओजीआर
के आसपास की सफाई
ICAR- DOGR vicinity
cleaning



डॉ. बिचकर कर्मचारियों को संबोधित करते हुए
Dr. Bichkar addressing the staff

डीओजीआर ने मनाया स्थापना दिवस

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय (डीओजीआर), राजगुरुनगर का 19 वां स्थापना दिवस 16 जून 2016 को मनाया गया। डीओजीआर के वर्तमान एवं पूर्व कर्मचारियों के अलावा, इस कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों से आए 55 किसानों ने भाग लिया। डॉ. टी.ए. मोरे, पूर्व कुलपति, एमपीकेवी, राहुरी इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। डॉ. पी.जी. अडसुले, पूर्व निदेशक, एनआरसीजी, पुणे, डॉ. पी.एस. नाईक, पूर्व निदेशक, आईआईवीआर, वाराणसी, एवं डॉ. एस.के. शर्मा, अध्यक्ष, आईएआरआई आरएस, पुणे सम्माननीय अतिथि थे। अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन अनुसंधान नेटवर्क परियोजना के सात केन्द्रों के प्रधान अन्वेषक तथा उनके प्रतिनिधी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। डॉ. जय गोपाल, निदेशक, भाकृअनुप-डीओजीआर ने अतिथियों का स्वागत किया और सारांश में डीओजीआर की उपलब्धियों और इससे कृषक समुदाय को हुए लाभ की जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य और सम्माननीय अतिथियों ने डीओजीआर में किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा कर्मचारियों को बधाई दी। भारत के विभिन्न भागों से आए प्याज एवं लहसुन के दस प्रगतिशील किसानों को प्याज एवं लहसुन की खेती में उनके योगदान के लिए इस अवसर पर सम्मानित किया गया। किसानों द्वारा लाए गए प्याज एवं लहसुन के नमूने भी प्रदर्शित किए गए। डीओजीआर के नए भवन में हाल ही में बनाई गई ढांचागत सुविधाएं अर्थात् प्रदर्शनी एवं संचार केन्द्र, पुस्तकालय, एकेएमयू एवं सम्मेलन कक्ष का मुख्य अतिथि और सम्माननीय अतिथियों द्वारा उद्घाटन किया गया। किसानों के लाभ के लिए प्याज एवं लहसुन की उन्नत खेती पर एक व्याख्यान दिया गया। उन्हें डीओजीआर में हो रही प्याज एवं लहसुन की गतिविधियां दिखाई गईं। कार्यक्रम धन्यवाद प्रस्ताव एवं राष्ट्रीय गान के साथ समाप्त हुआ।



डीओजीआर ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय (डीओजीआर), राजगुरुनगर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2016 को आयोजित किया गया जिसमें सभी कर्मचारियों ने भाग लिया। श्री. यशवंत बोबले एवं श्री रामदास तांबे, योग मार्गदर्शक, पतंजली योग पीठ द्वारा योग के संबंध में उद्बोधन दिया। इसके पहले सभी सन्माननीय अतिथियों का स्वागत किया गया तथा निदेशक महोदय ने योग के महत्व को अधोरेखित किया। इस

DOGR Celebrated Foundation Day

The 19th Foundation Day of ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research, Rajgurunagar, Pune was celebrated on June 16, 2016. Besides the present and past DOGR staff, it was attended by 55 farmers from different states of India. Dr. T.A. More, Ex-VC, MPKV, Rahuri was the Chief Guest, Dr. P.G. Adsule, Ex-Director, NRC Grapes, Pune, Dr. P.S. Naik, Ex-Director, IIVR, Varanasi and Dr. S.K. Sharma, Head, IARI RS, Pune were the guests of honour. Principal Investigators from seven centres of All India Network Research Project on Onion and Garlic and their representatives were also present on this occasion. Dr. Jai Gopal, Director, ICAR-DOGR welcomed the guests and presented brief summary of the DOGR achievements and benefit it resulted in for the farming community. The Chief Guest and guests of honour appreciated the work being done by the DOGR and congratulated the staff on this occasion. Ten progressive farmers of onion and garlic from different parts of India were also felicitated on this occasion for their contribution to onion and garlic cultivation. Samples of onion and garlic brought by the farmers were also displayed. Recently created infrastructural facilities i.e. Exhibition-cum-Communication Centre, Library, AKMU and Conference Room in the new building of DOGR were inaugurated by the chief guest and guests of honour. A talk on improved cultivation practices for onion and garlic was delivered for the benefit of the farmers. They were also shown the onion and garlic activities being carried out at DOGR. The programme ended with the vote of thanks and national anthem.



ICAR-DOGR Celebrated International Yoga Day

The International Yoga Day was organized at ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research, Rajgurunagar, Pune on June 21, 2016, in which all staff members participated. Yoga lesson was delivered by Shri. Yashwant Bombale and Shri. Ramdas Tambe, Yoga Instructors from Patanjali Yog Peeth. After welcoming the guests, Director spoke briefly on importance of Yoga. The message for this occasion from the Hon'ble Prime Minister of India was read

अवसर पर आदरणीय प्रधानमंत्री के संदेश को श्री. राम बोंबले, नोडल अधिकारी ने सभी को पढ़कर सुनाया। योग का अभ्यास तथा विभिन्न प्रकार के आसन लगभग 45 मिनट तक सभी कर्मचारियों ने योग मार्गदर्शकों की निगरानी में किए। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।



by the Nodal Officer, Shri Ram Bombale. This was followed by 45 minutes yoga practice in which various yoga asanas were performed by the staff members under the supervision of the yoga instructors. The programme ended with vote of thanks.



मेरा गांव मेरा गौरव

‘मेरा गांव मेरा गौरव’ परियोजना के तहत भाकृअनुप-डीओजीआर के वैज्ञानिक लगातार ग्रामीणों के संपर्क में रहकर गांवों का दौरा करते हैं। इस परियोजना के तहत पंद्रह गांवों नामतः गडाकवाडी, वरुडे, गुलानी, वाफगांव, जवुलके, रासे, दत्तवाडी, शेल पिंपलगाव, खैरेनगर, भोसे, गोसासी, मिटगुडवाडी, कान्हुर मेसाई, खैरेवाडी और दौंडकरवाडी से मृदा नमूने लेकर उनका विश्लेषण किया गया और 300 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए। गोसासी गांव में ‘रबी प्याज की प्रौद्योगिकी’ पर दिनांक 6 जनवरी, 2016 को प्रशिक्षण दिया गया जिसमें 50 किसानों ने भाग लिया। डीओजीआर की किस्मों भीमा शक्ति, भीमा किरन, और भीमा श्वेता के कुल 15 प्रदर्शन अपनाएं गांवों (प्रत्येक गांव में एक प्रदर्शन) में संचालित किए गए। डीओजीआर की किस्में स्थानीय किस्म पुणे फुरसुंगी से बेहतर पाई गई।

Mera Gaon Mera Gaurav

The scientists of ICAR-DOGR are in constant touch with the villagers and regularly visit the identified villages under *Mera Gaon Mera Gaurav* project. Soil samples from fifteen villages viz., Gadakwadi, Varude, Gulani, Wafgaon, Jawulke, Rase, Dattawadi, Shel Pimpalgaon, Khairanagar, Bhose, Gosasi, Mitgudwadi, Kanhur Mesai, Khairawadi and Daundkarwadi were collected, analyzed and Soil Health Cards provided to 300 farmers. Training on "Rabi Onion Technology" was also organized on January 6, 2016 at Gosasi village in which 50 farmers participated. In total 15 demonstrations on DOGR varieties Bhima Shakti, Bhima Kiran and Bhima Shweta were conducted in all the adopted villages (one demonstration in each village). DOGR varieties were found superior over the local cultivar Pune Fursungi.



गोसासी में ‘मेरा गांव मेरा गौरव’ के तहत प्रशिक्षण
Training under *Mera Gaon Mera Gaurav* at Gosasi

जनजातीय उप योजना के तहत गतिविधियां

‘प्याज उत्पादन का प्रबंधन’ ‘प्याज एवं लहसुन की व्यावसायिक खेती’ एवं ‘कंद भंडारण क्षमता को सुधारने हेतु कम लागत वाले प्याज भंडारण गृह का निर्माण’ पर प्रशिक्षणों को क्रमशः दिनांक 28 जनवरी 2016, 8-10 मार्च 2016 एवं 20 मई 2016 को जनजातीय उप योजना के तहत नंदुरबार के आदिवासी क्षेत्र में आयोजित किया गया। नंदुरबार के विभिन्न भागों से कुल 370 किसानों ने इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। नंदुरबार के नवापुर तालुका में कुल 24 प्रदर्शन संचालित किए गए। इनमें से 10 प्रदर्शन प्याज किस्म भीमा किरन के कंद उत्पादन, 4 प्रदर्शन लहसुन किस्म भीमा परपल के उत्पादन एवं 10 प्रदर्शन प्याज किस्में भीमा किरन व भीमा सुपर के बीज उत्पादन पर थे। जनजातीय उप योजना के तहत सभी क्षेत्र प्रदर्शन डीओजीआर की सिफारिशों के अनुसार टपक सिंचाई पर सफलतापूर्वक संचालित किए गए। मेराली याहा बचत गट, पालीपाडा के क्षेत्र में प्याज किस्म भीमा किरन से 200 क्विंटल प्रति एकड़ विक्री योग्य प्याज प्राप्त हुए। प्याज के कंद 6 रुपये प्रति कि.ग्रा के दर से बेचने के बाद भी किसानों ने 80,000/- रुपये प्रति एकड़ तक शुद्ध आय अर्जित की। नंदुरबार के खांडबारा एवं नवापुर क्षेत्र से डीओजीआर किस्में भीमा किरन एवं भीमा सुपर का क्रमशः 320 कि.ग्रा. एवं 480 कि.ग्रा. बीज प्राप्त हुआ।

Activities under TSP

Trainings on "Onion production management", "Commercial cultivation of onion and garlic" and "Construction of low cost onion storage structure to improve bulb storability" were organized on 28 January 2016, 8-10 March 2016 and 19-20 May 2016, respectively in tribal belts of Nandurbar under TSP scheme. The scheme is being run in collaboration with KVK, Nandurbar. A total of 370 farmers from different parts of Nandurbar participated in these training programmes. A total of 24 demonstrations were conducted in Navapur taluka of Nandurbar including 10 demonstrations on bulb production of onion variety Bhima Kiran, 4 demonstrations on garlic production of Bhima Purple and 10 demonstrations on seed production of onion varieties Bhima Kiran and Bhima Super. All the field demonstrations were successfully carried out on drip irrigation as per DOGR recommendations under TSP. Onion variety 'Bhima Kiran' produced 200 q per acre marketable bulb yield at the field of Merali Yaha Bachat Gat, Palipada. The farmers earned net income of Rs. 80,000/- per acre even when onion bulbs were sold at the rate of Rs. 6/- per kg. At Khandbara and Navapur areas of Nandurbar, DOGR varieties Bhima Kiran and Bhima Super, respectively, produced 320 kg and 487 kg seed.



प्रशिक्षणों का आयोजन/Trainings organized

विषय Topic	द्वारा प्रायोजित Sponsored by	तारीख एवं स्थान Date and Venue	प्रतिभागियों की संख्या No. of participants
रबी प्याज की प्रौद्योगिकी Rabi Onion Technology	एमजीएमजी, भाकृअनुप-डीओजीआर, राजगुरुनगर MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar	6 जनवरी, 2016 गोसासी 6 January, 2016 Gosasi	गोसासी, जिला पुणे से 50 किसान 50 farmers from Gosasi, District Pune
प्याज उत्पादन का प्रबंधन Onion production management	टीएसपी, भाकृअनुप-डीओजीआर, राजगुरुनगर TSP, ICAR-DOGR, Rajgurunagar	28 जनवरी, 2016 निम्बोनी 28 January, 2016 Nimboni	जिला नंदुरबार से 65 किसान 65 farmers from District Nandurbar
प्याज एवं लहसुन की उन्नत प्रौद्योगिकी Improved onion and garlic technologies	भाकृअनुप-डीओजीआर, राजगुरुनगर ICAR-DOGR, Rajgurunagar	5 फरवरी, 2016 भाकृअनुप-डीओजीआर, राजगुरुनगर 5 February, 2016 ICAR-DOGR, Rajgurunagar	महाराष्ट्र से 40 अधिकारी 40 officers from Maharashtra
प्याज एवं लहसुन की व्यावसायिक खेती Commercial cultivation	टीएसपी, भाकृअनुप-डीओजीआर, राजगुरुनगर TSP, ICAR-DOGR, Rajgurunagar	8-10 मार्च, 2016 श्रावणी, खैरवे एवं पालीपाडा 8-10 March, 2016 Shravani, Khairave and Palipada	जिला नंदुरबार से 160 किसान 160 farmers from District Nandurbar of onion and garlic
कंद भंडारण क्षमता को बढ़ाने हेतु कम लागत वाले प्याज भण्डारण गृह का निर्माण Construction of low cost onion storage structure to improve bulb storability	टीएसपी, भाकृअनुप-डीओजीआर, राजगुरुनगर TSP, ICAR-DOGR, Rajgurunagar	19-20 मई, 2016 श्रावणी एवं पलसून 19-20 May, 2016 Shravani and Palsun	जिला नंदुरबार से 145 किसान 145 farmers from District Nandurbar

प्रदर्शनियों में सहभाग/Participation in Exhibitions

प्रदर्शनी Exhibition	आयोजक Organizer	दिनांक Date	स्थान Venue
विज्ञान दिवस Science Day	बृहत मीटरवेव रेडिओ टुर्बिन, टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, खोडद, नारायणांग Giant Metrewave Radio Telescope, Tata Institute of Fundamental Research, Khodad, Narayangaon	28-29 फरवरी, 2016 28-29 February, 2016	जीएमआरटी, टीआईएफआर, खोडद, नारायणांग GMRT, TIFR, Khodad, Narayangaon
कृषि उन्नति मेला Krishi Unnati Mela	भारतीय उद्योग परिसंघ, नई दिल्ली Confederation of Indian Industry, New Delhi	19-21 मार्च, 2016 19-21 March, 2016	आईएआरआई परिसर, पुसा, नई दिल्ली IARI Campus, Pusa, New Delhi

कार्मिक / Personnel



डॉ. अमर जीत गुप्ता, वरिष्ठ वैज्ञानिक (बागवानी) की पदोन्नती प्रधान वैज्ञानिक (बागवानी) के पद पर दिनांक 6 दिसंबर 2014 से हुई।
Dr. Amar Jeet Gupta, Senior Scientist (Horticulture) promoted to Principal Scientist (Horticulture) from 6 December 2014

मानव संसाधन विकास / Human Resource Development

नाम एवं पदनाम Name and Designation	प्रशिक्षण का शीर्षक Title of Training	दिनांक Date	स्थान Venue
डॉ. वी. महाजन, प्रधान वैज्ञानिक Dr. V. Mahajan, Principal Scientist	नेतृत्व विकास पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम (पूर्व-आरएमपी कार्यक्रम) Management Development Programme on Leadership Development (a pre-RMP Programme)	7-18 जून, 2016 7-18 June, 2016	भारत-नार्म, हैदराबाद ICAR-NAARM, Hyderabad
डॉ. एस. एस. गाडगे वरिष्ठ वैज्ञानिक Dr. S. S. Gadage, Senior Scientist	मानव संसाधन विकास नोडल अधिकारियों के लिए योग्यता विकास पर प्रशिक्षण कार्यशाला Training workshop on Competency development for human resource development Nodal officers	11-12 फरवरी, 2016 11-12 February, 2016	भारत-नार्म, हैदराबाद ICAR-NAARM, Hyderabad
	पौध किस्म संरक्षण एवं किसान अधिकार अधिनियम पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम Awareness cum Training Programme on Protection of Plant Varieties and Farmers' Right Act	28 मार्च, 2016 28 March, 2016	भारत-अटारी, क्रीडा परिसर, हैदराबाद ICAR-ATARI, CRIDA Campus, Hyderabad
	कृषि विस्तार के प्रभाव का आकलन पर प्रशिक्षण Training on Impact Assessment of Agricultural Extension	6-10 जून, 2016 6-10 June, 2016	भारत-नार्म, हैदराबाद ICAR-NAARM, Hyderabad
श्री. मंजूनाथ गौडा, डी. सी., वैज्ञानिक Mr. Manjunathagowda, D. C., Scientist	कृषि जैव सूचना प्रणाली में वर्तमान रुझान पर प्रशिक्षण कार्यशाला Training workshop on Current Trends in Agricultural Bioinformatics	16-17 फरवरी, 2016 16-17 February, 2016	भारत-नार्म, हैदराबाद ICAR-NAARM, Hyderabad
श्री. कुलदीप, वैज्ञानिक Mr. Kuldip, Scientist	बागवानी आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन के समकालीन तरीकों पर ग्रीष्म शिक्षा कार्यक्रम Summer School programme on Contemporary methods of conservation and management of Horticulture genetic resources	7-27 जून, 2016 7-27 June, 2016	भारत-आईआईएचआर, बंगलुरु ICAR-IIHR, Bangaluru
सुश्री पी.एस. सौम्या, वैज्ञानिक Miss P.S. Soumia, Scientist	व्यावसायिक सम्बद्धता प्रशिक्षण Professional attachment training	17 नवम्बर, 2015 से 20 फरवरी, 2016 तक 17 November, 2015 to 20 February, 2016	भारत-एनसीआईपीएम, नई दिल्ली ICAR-NCIPM, New Delhi
श्री. वाई.पी. खाडे, वैज्ञानिक Mr. Y. P. Khade, Scientist	व्यावसायिक सम्बद्धता प्रशिक्षण Professional attachment training	17 नवम्बर, 2015 से 17 फरवरी, 2016 तक 17 November, 2015 to 17 February, 2016	भारत-एनआरसीपीबी, नई दिल्ली ICAR-NRCPB, New Delhi
श्री. एस.पी. कंडवाल सहायक Mr. S. P. Kandwal, Assistant	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (खरीद एवं भंडार मॉड्यूल) Supply Chain Management (Procurement and Store) Module	16-17 जून, 2016 16-17 June, 2016	भारत-आईएसआरआई, नई दिल्ली ICAR-IASRI, New Delhi
श्रीमती एम.एस. सालवे सहायक Mrs. M. S. Salve, Assistant	वेतन नियमावली पर प्रशिक्षण कार्यक्रम Training programme on Pay roll	2-3 मई, 2016 2-3 May, 2016	भारत-आईएसआरआई, नई दिल्ली ICAR-IASRI, New Delhi
श्रीमती एन.आर. गायकवाड, वरिष्ठ लिपिक Mrs. N. R. Gaikwad, Upper Division Clerk	सीपीपी पोर्टल के मध्यम से एनआईसी की ई-खरीद समाधान के कार्यान्वयन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम Training Programme on Implementation of NIC's e-Procurement solution through CPP Portal	27-28 अप्रिल, 2016 27-28 April, 2016	भारत-नार्म, हैदराबाद ICAR-NAARM, Hyderabad

निदेशक की ओर से



प्याज की एक नई किस्म 'भीमा लाइट रेड' की सिफारिश अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन अनुसंधान नेटवर्क परियोजना की कानपुर में 4-5 अप्रैल, 2016 के दौरान आयोजित वार्षिक कार्यशाला में की गई। अब प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा सिफारिश की गई प्याज की दस किस्में हो गई हैं, जो सफेद से लेकर

गहरे लाल रंग के कंदों की संपूर्ण विविधता वाली हैं। इनकी खरीफ, पछेती खरीफ एवं रबी मौसमों में देश के विभिन्न कृषि जलवायु परिस्थितियों में खेती की जा रही है। इनमें से छह किस्में अधिसूचित की जा चुकी हैं और उनका प्रजनन बीज उत्पादित किया जा रहा है। शेष किस्मों के सत्यप्रत बीज का उत्पादन किया जा रहा है। इन किस्मों के बीज किसानों, कृषि विज्ञान केन्द्रों, सरकारी व निजी बीज एजेंसियों और अन्य हितधारकों को दिया जा रहा है। परन्तु, इस वर्ष प्याज की कम कीमतों के कारण खरीफ मौसम के लिए बीज की मांग में कमी दिखाई दे रही है।

इस वर्ष लहसुन उत्पादकों ने अच्छा मुनाफा कमाया है क्योंकि किसान अपनी उपज 100-120 रुपये/कि.ग्रा. की दर से बेच पाए, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां पर स्वस्थ लहसुन प्रजनन प्राप्त किए जाते हैं, ऐसा मैंने अपने हाल ही में उत्तर-पूर्वी और उत्तर-पश्चिमी पर्वतीय क्षेत्रों में किए गए दौरे में पाया। उत्तर-पश्चिमी मैदानी क्षेत्र भी लहसुन बीज उत्पादन के लिए उपयुक्त है क्योंकि फसल उत्पादन के दौरान विषाणु-वाहकों की आबादी कम होने की वजह से इस क्षेत्र से प्राप्त की गई उपज को रोपण सामग्री के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए इन क्षेत्रों में विषाणु-मुक्त बीज संग्रह का गुणन किया जा सकता है। अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन अनुसंधान नेटवर्क परियोजना के तहत विषाणु-वाहकों की आबादी की गतिशीलता पर अध्ययन किया जा रहा है ताकि लहसुन के लिए बीज-प्रक्षेत्र तकनीक विकसित की जा सके, जैसे कि आलु के लिए उपलब्ध है।

प्रिय पाठकों! मैं भाकृअनुप की सेवा से अक्टूबर 2016 में सेवानिवृत्त हो रहा हूं। मैं इस अवसर पर, उन सभी का जिन्होंने मेरे 38 वर्षों से अधिक सेवाकाल के दौरान मेरी मदद की, धन्यवाद करता हूं। मैं भाकृअनुप के प्रति आभार प्रकट करता हूं जिसने मुझे न केवल आजीविका दी, बल्कि मेरे ज्ञान और अनुभव में वृद्धि भी हुई जो मैंने अपनी क्षमता के अनुसार अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए ग्रहण किए।

जय हिन्द

जय गोपाल

जय गोपाल

From Director's Desk

A new onion variety 'Bhima Light Red' has been recommended for release during the Annual Workshop of All India Network Research Project on Onion & Garlic held at Kanpur during April 4-5, 2016. With the addition of this, now ICAR-DOGR has ten onion varieties in its basket with complete range of bulb colour from white to dark red. These are under cultivation in *kharif*, late *kharif* and *rabi* seasons under different agro-climatic conditions of the country. Six of these varieties are notified and thus under breeder seed production. Truthfully labeled seed is being produced for the remaining. The seed is being supplied to farmers, KVKs, government as well as private seed agencies and other stakeholders. However, due to lower onion prices this year, a reduction in seed demand for *kharif* season is being observed.

Garlic producers have earned good profits this year, as the farmers could sell their produce for Rs. 100-120/kg particularly in regions that produce healthier garlic propagules as was observed by me during my recent visits to some parts of north-eastern and north-western hills. The north-western plains are also suitable for garlic seed production as the produce from this region can be used as planting material due to lower virus-vector population during the crop season. These regions thus can be better exploited for multiplication of virus-free seed stocks. Studies on virus-vectors' population dynamics are underway in the All India Network Research Project of Onion & Garlic so as to develop seed-plot technique for garlic on the lines as used in potato.

Dear Readers! I shall be superannuating from the ICAR's service in October 2016. I take the opportunity to thank all who helped me throughout my more than 38 years of service with the council. I am thankful to the ICAR for providing me not only the livelihood, but also for all that I could gain in terms of knowledge and experience while discharging my duties, which I tried to do to the best of my capabilities.

Jai Hind

जय गोपाल

जय गोपाल



भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय

राजगुरुनगर, पुणे-410 505, महाराष्ट्र, भारत

दूरभाष: 02135- 222026, 222697, फैक्स: 02135- 224056 ईमेल: director.dogr@icar.gov.in

वेब: <http://www.dogr.res.in>

ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research

Rajgurunagar - 410 505, Pune, Maharashtra, India

Phone: 02135-222026, 222697 Fax: 02135-224056 E-mail: director.dogr@icar.gov.in

Website : <http://www.dogr.res.in>